Paper - III

MT

Seat No. | | | | | | | |

2017 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - III

Time : 3 Hours **(Pages 10)** **Max. Marks : 80**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य

20 अंक

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) उत्तर लिखिए। **1**

i) महंत जी के दो चेलों के नाम लिखिए।

(1) ---------- (2) ----------

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

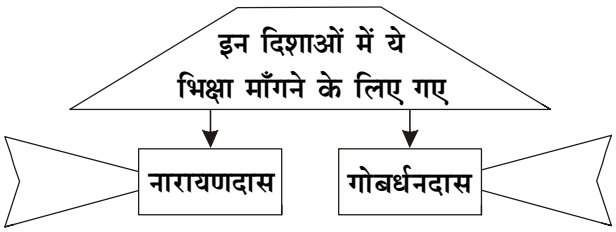

पात्र-परिचय

महंत

नारायणदास : महंत के शिष्य

गोबर्धनदास : महंत के शिष्य

चौपट राजा : अंधेर नगरी का राजा । कुँजड़िन, हलवाई, फरियादी, कल्लू बनिया, कारीगर, चूनेवाला, भिश्ती, कसाई, गड़रिया कोतवाल, सिपाही आदि।

पहला दृश्य

(**स्थान** : शहर से बाहर सड़क; महंत जी और दो चेले बातें कर रहे हैं।

महंत : बच्चा नारायणदास, यह नगर तो दूर से बड़ा सुंदर दिखलाई पड़ता है । देख, कुछ भिक्षा मिले तो भगवान को भोग लगे और क्या !

नारायणदास : गुरुजी महाराज, नगर तो बहुत ही सुंदर है, पर भिक्षा भी सुंदर मिले तो बड़ा आनंद हो!

महंत : बच्चा गोबर्धनदास, तू पश्चिम की ओर जा और नारायणदास पूर्व की ओर जाएगा ।

(गोबर्धनदास जाता है ।)

गोबर्धनदास : (कुँजड़िन से) क्यों, भाजी क्या भाव?

कुँजड़िन : बाबा जी, टके सेर!

गोबर्धनदास : सब भाजी टके सेर! वाह, वाह! बड़ा आनंद है । यहाँ सभी चीजें टके सेर ।

(हलवाई के पास जाकर) क्यों भाई, मिठाई क्या भाव?

हलवाई : टके सेर।

गोबर्धनदास : वाह, वाह ! बड़ा आनंद है । सब टके सेर क्यों, बच्चा? इस नगरी का नाम क्या है ?

हलवाई : अंधेर नगरी ।

गोबर्धनदास : और राजा का नाम क्या है ?

हलवाई : चौपट राजा ।

गोबर्धनदास : वाह, वाह!

अंधेर नगरी, चौपट राजा ।

टके सेर भाजी, टके सेर खाजा ।।

2) कृति पूर्ण कीजिए। **1**

i)

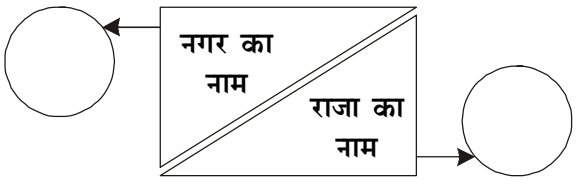

ii) **समझकर लिखिए।** **½**

परिच्छेद में प्रयुक्त एक कहावत -

ii) आकृति पूर्ण कीजिए। ½

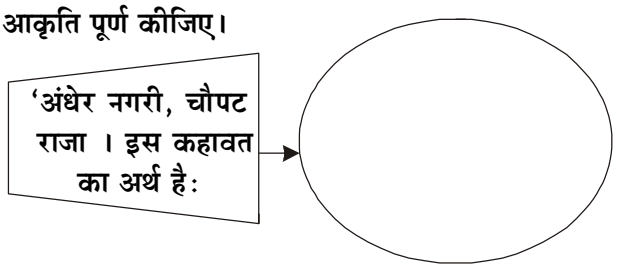

3) i) रिक्त चौखट में उत्तर लिखिए। **1**

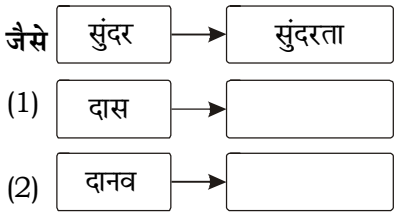

ii) निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेदसे ढूँढ़कर लिखिए। **1**

(1) कुरूप (2) दान

4) 'गुरु शिष्य संबंध' पर अपने विचार लिखिए। **2**

प्र.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) उत्तर लिखिए। **1**

(1) 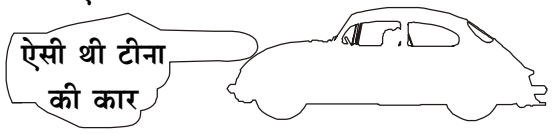

(2) 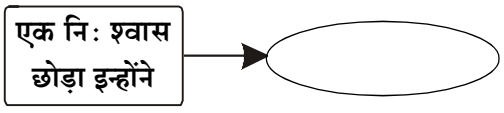

ii) उत्तर लिखिए। **1**

(1) कार की तुलना इससे की गई है -

(2) यह था गनपत के बात करने का ढंग -

''अरे क्या है भाई'', देखते ही विनायक बाबू कुढ़े स्वर में बोले, ''इतनी जल्दी ताला-वाला क्यों लगा दिया आज....''

''जल्दी किदर साएब ! दस के उप्पर हो गया है..... इत्ती रात को भी ताला नहीं मारा और कुछ कम-जियादा हो गया तो तुम लोक तो अपुन की ही खोपड़ी पर सवार होएँगा ना....'' गनपत हमेशा इसी खुरदरे स्वर में बात करता है और उसी अंदाज में, मानो आधी नींद में हो ।

विनायक बाबू को कई बार लगता है कि जरूर पट्ठा ड्रग्स वगैरह लेता है, तभी हरदम उनींदा-उनींदा नजर आता है । इसी लिए महीने की पहली तारीख को स्टैंड का किराया चुकाने के अलावा वे उससे और कुछ बात करना पसंद नहीं करते।

ताला खुल गया था । शेड का गेट भी खोल दिया गनपत ने और अंदर टॉर्च की रोशनी धकेलने लगा । अपने आपको लगभग खींचते हुए साइकिलों के हजूम में ले गए विनायक बाबू । अपनी साइकिल का ताला खोलते हुए टीना की कार उनके जेहन में कौंध गई । चमचमाता हुआ लाल रंग, मानो सुर्ख जोड़े में सजी दुल्हन । जब वे साइकिल पर सवार होकर घर की ओर बढ़ रहे थे तो टीना की कार भी उनके साथ-साथ बेआवाज चल रही थी । ''उफ! कितनी संपन्न है यह दुनिया।'' एक नि:श्वास छोड़ा उन्होंने ।

2) i) **सत्य या असत्य पहचानकर लिखिए।** **1**

(1) विनायक बाबू गनपत से बात करना पसंद नहीं करते थे।

(2) टीना की कार चमचमाते हुए काले रंग की थी ।

ii) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।** **1**

(1) ताला (2) गनपत

3) i) **पहेली में से समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

दि		ग	र्ख
	सु		मा

(1) जेहन (2) लाल

ii) **रिक्त चौखट में उत्तर लिखिए।** **1**

जैसे: आवाज → बेआवाज

(1) शक →

(2) मतलब →

4) **'युवाओं में बढ़ती नशाखोरी' पर अपने विचार लिखिए ।** **2**

प्र.1. **(ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **(4)**

1) **समझकर लिखिए।** **1**

स्वस्थ शरीर के लिए इनकी आवश्यकता है -

2) उत्तर लिखिए। **1**

ये हैं व्यायाम के लाभ ?

स्वस्थ शरीरवाला मनुष्य ही इस संसार के सभी प्रकार के सुखों को भोग सकता है तथा सुखमय जीवन बिता सकता है। स्वस्थ शरीर के लिए पौष्टिक भोजन तथा व्यायाम दोनों ही अतिआवश्यक हैं। व्यायाम करने का भी ढंग होता है। इसे करते समय सदा कुछ सावधानियाँ बरतनी चाहिए। पहली सावधानी यह है कि आयु, समय व शरीर की क्षमता के अनुसार ही व्यायाम करना चाहिए। दूसरी सावधानी यह है कि सही व्यायाम का चुनाव करना चाहिए तथा व्यायाम की उचित मात्रा निश्चित करनी चाहिए। तीसरी सावधानी यह है कि शुद्ध वायु, प्रकाशवाले खुले स्थान में व्यायाम करना चाहिए। व्यायाम के तुरंत बाद स्नान नहीं करना चाहिए। व्यायाम के अनेक लाभ हैं - इससे शरीर में शुद्ध रक्त का संचार होता है, भोजन ठीक से पचता है, शरीर पुष्ट बन जाता है, थकान का अनुभव कम होता है तथा मस्तिष्क भी स्वस्थ रहता है।

3) व्यायाम का महत्त्व पर अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 2 - पद्य

16 अंक

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) अंधकार के रूप लिखिए। **2**

i) --------- ii) ---------

iii) --------- iv) ---------

हिंद के बहादुरो, शूरवीर बालको !
थाम लो सँभालकर देश की मशाल को !

अंधकार का गरूर आन-बान तोड़ दो,
बालको, भविष्य के लिए मिसाल छोड़ दो,
दो नई-नई दिशा वर्तमान काल को।
शूरवीर बालको !
थाम लो सँभालकर देश की मशाल को !

2) i) कविता में बालकों के लिए प्रयुक्त संबोधन - **1**

(1) --------- (2) ---------

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) कवि बालकों को इसलिए आवाज़ देते हैं -

(2) बालकों को यह गरूर तोड़ना है -

3) i) **विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।** **1**

(1) अंधकार × (2) शूरवीर ×

ii) **समानार्थी शब्द पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(1) घमंड (2) उदाहरण

4) **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

''अंधकार का गरूर आन-बान तोड़ दो,
बालको, भविष्य के लिए मिसाल छोड़ दो,
दो नई-नई दिशा वर्तमान काल को।''

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **चौखट पूर्ण कीजिए।** **1**

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) 'कीचड़ फैलना' इसका तात्पर्य लिखिए।

(2) 'हर कोई भ्रष्टाचार में लिप्त है' इस भाव को व्यक्त करने वाली कविता की पंक्ति लिखिए।

इस सड़क पर इस कदर कीचड़ बिछा है,
हर किसी का पाँव घुटनों तक सना है।
पक्ष औ प्रतिपक्ष संसद में मुखर है,
बात इतनी है कि कोई पुल बना है।

2) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) इस प्रकार हुई है सड़क की स्थिति -

(2) सांसदों के मुखर होने का स्थान -

ii) (1) **वर्तुल पूर्ण कीजिए।** **½**

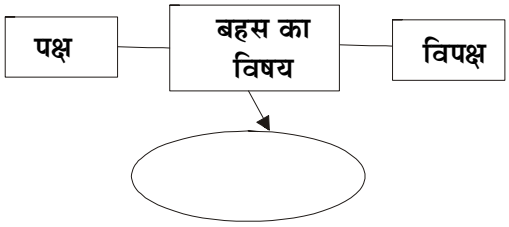

(2) **समझकर लिखिए।** ½

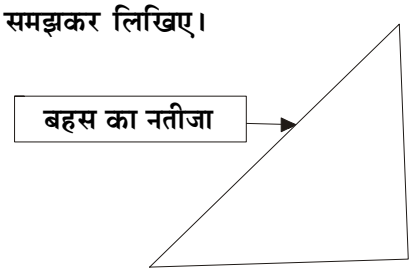

3) i) **शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए।** **1**

(1) पुल (2) संसद

ii) **मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द लिखिए।** **1**

(1) पाव (2) सन्सद

4) **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

"इस सड़क पर इस कदर कीचड़ बिछा है,
हर किसी का पाँव घुटनों तक सना है।"

विभाग 3 - पूरक पठन **04 अंक**

प्र.3. पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(4)**

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

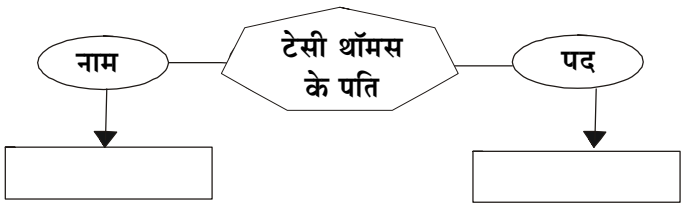

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) परिच्छेद में प्रयुक्त महिलाओं को दुर्बल बताने वाली पंक्ति लिखिए।

(2) इस पद पर टेसी ने कार्य किया।

वैज्ञानिक शोध, खेल, चिकित्सा–विज्ञान, शिक्षण, अंतरिक्ष– अनुसंधान, रक्षा, पर्फामिंग आर्ट्स, लेखन आदि मानव– गतिविधियों का शायद ही कोई क्षेत्र ऐसा होगा, जिसमें पुनरुत्थानशील भारतीय महिलाओं ने यश प्राप्त न किया हो। अध्यवसाय और अतुलित बुद्धिमत्ता की माँग करने वाला कोई क्षेत्र ऐसा नहीं मिलेगा, जो ऐसी सामर्थ्यवान आधुनिक भारतीय महिलाओं की अदम्य उपस्थिति से रहित हो, जिन्होंने महिलाओं को कमजोर बताने वाले इस कथन को अर्थहीन और अनुपयुक्त सिद्ध कर दिया कि– 'अबला–जीवन

हाय तुम्हारी यही कहानी, आँचल में है दूध और आँखों में पानी।' हर क्षेत्र में उनका योगदान इतना महान है कि कोई भी व्यक्ति विस्मय के साथ उनकी प्रशंसा किए बिना नहीं रह सकता। ऐसी योग्य महिलाओं में भी सुश्री टेसी थॉमस अलग खड़ी दिखाई देती हैं, क्योंकि उन्होंने पुरुषों के वर्चस्व वाले मिसाइलजगत में अद्‌वितीय धैर्य और साहस के साथ उत्कृष्टता प्राप्त की है। एक नौसेना अधिकारी श्री सरोज कुमार पटेल की पत्नी सुश्री थॉमस भारत द्‌वारा प्राप्त ऐतिहासिक वैज्ञानिक उपलब्धि– 19 अप्रैल को सफलतापूर्वक संपन्न अग्नि V मिसाइल लाँच की प्रोजेक्ट डायरेक्टर (मिशन) थीं।

4) 'आज की नारी जीवन के हरेक क्षेत्र को नया आयाम देने का भरसक प्रयास कर रही है।' इस विषय पर अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 4 - व्याकरण

10 अंक

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** ½
जरूरत

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए।** ½
मधुरता सत्य का अनुपान है ।

2) निम्नलिखित वाक्य शुद्‌ध करके लिखिए। **1**
एक तरफ नरक है और दुसरे तरफ तुम्हारी जिम्मे थोड़ा - सा खर्च ।

3) i) **निम्नलिखित सहायक क्रियाओं का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** ½
लगना

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए।** ½
बहू उस पर हाथ न लगा सकी ।

4) प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए। **1**

क्रिया	**प्रथम प्रेरणार्थक**	**द्‌वितीय प्रेरणार्थक**
तोड़ना		

5) i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** **1**
यहीं

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए।** **1**
हमें जरा भय भी था ।

6) कालपरिवर्तन कीजिए। **2**

i) गरम पानी ग्यारह बजे पहुँचाने का आदेश था । (सामान्य वर्तमानकाल)

ii) पानी तो हमने उसमें भर लिया । (पूर्ण वर्तमान काल)

7) i) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए। **1**

मस्तक नवाना

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए।** **1**
(जान के लाले पड़ना, मृत्यु के मुँह में कूदना, नौ - दो ग्यारह होना)

शिकारी के जाल में फँसी हुई चिड़िया के प्राण संकट में पड़ गए ।

विभाग 5 - रचना

30 अंक

प्र.5. 1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए : **5**

'नाशिक में राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता आयोजित'

महात्मा गांधी रोड, महात्मा गांधी विद्यालय से, दिलीप / दिपा चौधरी, कक्षा दसवीं अ, उपस्थिति क्र. 21, प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए अपने प्रधानाध्यापक को पत्र लिखकर चार दिन की छुट्टी मंजूर करने के लिए आवेदन पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

मिथिल / मिथिला शिंदे, छात्र प्रतिनिधि, प्रबोधिनी विद्यालय, जयसिंगपुर से व्यवस्थापक, क्वालिटी स्पोर्टस, टिळक रोड, पुणे को पत्र लिखकर सूचीनुसार क्रीड़ा साहित्य न पहुँचने के संदर्भ में शिकायत पत्र लिखता / लिखती है ।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए। **5**

3) निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनका उत्तर एक वाक्य में लिखा जा सके । 5

संसार में तीन बातें बड़ी महत्त्वपूर्ण हैं । इनको प्राप्त कर तुम संसार के किसी भी कोने में जाओगे तो अपना निर्वाह कर सकोगे । ये तीन बातें हैं - अपनी आत्मा का, अपने आप का और ईश्वर का सच्चा ज्ञान प्राप्त करना । इसका मतलब यह नहीं कि तुम्हें अक्षर ज्ञान नहीं मिलेगा । वह तो मिलेगा ही । लेकिन तुम उसी की चिंता करो, यह मैं नहीं चाहता । इसके लिए तुम्हारे पास अभी बहुत समय है । अक्षर ज्ञान इसलिए होता है कि जो कुछ तुम्हें मिला हैं, उसे तुम दूसरों को दे सको । इतना याद रखना कि अब हमें गरीबी में रहना है । जितना अधिक विचार मैं करता हूँ, उतना ही अधिक मुझे लगता है कि, गरीबी में ही सुख है । अमीरी की तुलना में गरीबी अधिक सुखद है ।

प्र.6. प्रसंग लेखन। (लगभग 60 से 80 शब्दों में) 5

1) उस दिन मैं मेरे मित्रों के साथ घुमने गया था । अचानक एक वृद्ध व्यक्ति चक्कर खाकर गिर पड़ा ।

2) विज्ञापन लेखन। (लगभग 60 से 80 शब्दों में) 5

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए :

आयोजित व्याख्यानमाला -

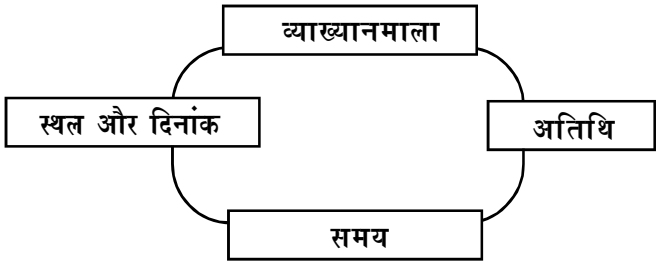

3) स्वमत । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) 5

छुट्टियों में अपने शहर का ऐतिहासिक स्थल देखने गया था । वहाँ की अस्वच्छता और दुरावस्था देखकर मेरे मन में विचार आए :

Best Of Luck